

## मध्य प्रदेश राज्य मलिट मशिन योजना लागू

### चर्चा में क्यों?

11 अप्रैल, 2023 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्र-परिषद ने प्रदेश में मध्य प्रदेश राज्य मलिट मशिन योजना लागू करने का नरिणय लयि।

### प्रमुख बदि

- इस योजना का क्रयिान्वयन संचालक, कसिान-कल्याण तथा कृषविकस के माध्यम से सभी ज़िलों में कयि जाएगा साथ ही इस योजना की मॉनटरिगि के लयि कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समति गठति की जाएगी।
- इस योजना की अवधि 2 वर्ष (2023-24 एवं वर्ष 2024-25) की होगी। इन 2 वर्षों में योजना में 23 करोड़ 25 लाख रुपए व्यय कयि जाएंगे।
- इस योजना के अंतर्गत कसिानों को मोटे अनाज के उन्नत प्रमाणति बीज सहकारी/शासकीय संस्थाओं से 80 प्रतिशत अनुदान पर प्रदान कयि जाएंगे।
- मलिट मशिन योजना के अंतर्गत मलिट फसलों के उत्पादन, प्र-संस्करण एवं वपिणन को बढ़ावा देने के लयि कसिानों के प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं राज्य के बाहर अध्ययन भ्रमण होंगे। मलिट को बढ़ावा देने के लयि ज़िला एवं राज्य स्तर पर मेले, कार्यशाला, सेमीनार, फूड फेस्टविल, रोड-शो कयि जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि मलिट अनाज की फसलें कभी प्रदेश की खान-पान की संस्कृति के केंद्र में थी। वर्तमान में इन फसलों के पोषक महत्त्व को दृष्टिगत रखते हुए इन्हें बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। इन फसलों की खेती प्रायः कम उपजाऊ कृषेत्रों में की जाती है।
- वर्तमान में उपभोक्ताओं में स्वास्थय के प्रति जागरूकता बढ़ने से मलिट फसलों की माँग बढ़ रही है। कोदो, कुटकी, रागी, सांवा जैसी फसलें स्वास्थय की दृष्टि से अत्यंत लाभदायक हैं। इन मलिट फसलों के महत्त्व के दृष्टिगत इनको पोषक अनाज का दर्जा दिया गया है।
- इन फसलों के अनाज आयरन, कैल्शियम, फाइबर आदि से भरपूर होते हैं साथ ही इनमें वसा का प्रतिशत भी कम होता है, जसिसे हृदय रोगी एवं डायबिटीज रोगियों के द्वारा इनका उपयोग सुरक्षति पाया गया है। इसलयि कसिानों के बीच मलिट फसलों की खेती को प्रोत्साहति करने एवं मलिट फसलों से तैयार व्यंजनों का प्रचार-प्रसार कयि जाना आवश्यक है।
- मध्य प्रदेश में कोदो-कुटकी, ज्वार एवं रागी के कृषेत्र वसितार, उत्पादकता एवं उत्पादन वृद्धि की पर्याप्त संभावनाएँ हैं। साथ ही मलिट फसलों के बढ़ते बाज़ार के दृष्टिगत मूल्य संवर्धन की संभावना भी काफी अधिक है।